जन प्रकाशन

JAN PRAKASHAN NEWS

इन्दौर-भोपाल से एकसाथ प्रकाशित

janprakashan@gmail.com www.janprakashan.com

सत्य ● साहस ● सरोकार

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

वर्षः 10 | अंकः 31 | इंदौर | शुक्रवार, 27 जनवरी- 02 फरवरी 2023 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 02 रुपए

इंदौर जिले में गणतंत्र दिवस जनोत्सव के रूप में जोश- जुनून और अपार उत्साह के साथ मनाया गया

मुख्य समारोह में जल संसाधन मंत्री सिलावट ने किया ध्वजारोहण

आकर्षक परेड के साथ निकाली गई नयनाभिराम झांकियाँ, बच्चों ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

इंदौर/ जन प्रकाशन

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज इंदौर के नेहरू स्टेडियम में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में ध्वजारोहण किया। उन्होंने परेड की सलामी भी ली। इंदौर जिले में आज अपार उत्साह और उमंग के साथ देशभक्ति के जोश और जुनून के वातावरण में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा नयनाभिराम झांकियां भी निकाली गयी। समारोह में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के गणतंत्र दिवस संदेश का वाचन किया गया। स्कूली बच्चों ने रंगा-रंग सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

अभूतपूर्व उत्साह के बीच 14 प्लाटूनों ने प्रस्तुत की आकर्षक परेड

गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान अभूतपूर्व उत्साह का माहौल था। समारोह में 14 प्लाटूनों ने गर्मजोशी से आकर्षक परेड प्रस्तुत की। मंत्री सिलावट ने ध्वजारोहण के पश्चात खुली जीप से परेड का निरीक्षण किया। परेड के पश्चात उन्होंने परेड कमाण्डरों से परिचय भी प्राप्त किया। इस दौरान उनके साथ कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी तथा पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र भी थे। परेड के दौरान सशस्त्र दलों द्वारा हर्ष फायर किये गये। गणतंत्र दिवस अमर रहे के नारे से आसमान गुंजायमान हो गया। समारोह में 14 दलों ने आकर्षक परेड प्रस्तुत की। समारोह में परेड का नेतृत्व रक्षित निरीक्षक जयसिंह तौमर ने किया। उनका अनुकरण टूआईसी सुबेदार विवेक परमार कर रहे थे। इस अवसर पर बीएसएफ, आरएपीटीसी, प्रथम वाहिनी, पन्द्रहवीं वाहिनी, जिला बल पुरूष, जिला पुलिस बल महिला, होमगार्ड, फायर ब्रिग्रेड, ट्रॉफिक पुलिस, स्काउट, गाइड, एसपीसी प्लाटून, शौर्या दल द्वारा आकर्षक परेड प्रस्तुत की गयी। इस अवसर पर बीएसएफ के बैंड ने देशभक्ति की धून से पूरे वातावरण को जोश और जुनून से ओतप्रोत कर दिया।

जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों पर आधारित निकाली गई नयनाभिराम झाँकियाँ

समारोह के दौरान विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा राज्य शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों पर आधारित नयनाभिराम झाँकियाँ निकाली गई। इनमें मुख्य रूप से नगर निगम द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में किये गये नवाचार शहरी आवास और सीएनजी प्लांट, स्वास्थ्य विभाग द्वारा टेलीमेडिसिन हब एंड स्पोक, आईडीए द्वारा पधारो म्हारो घर, शिक्षा विभाग द्वारा सीएम राईज स्कूल योजना, जिला पंचायत द्वारा आदर्श अमृत सरोवर योजना, आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा जननायक क्रांतिवीर टंट्या मामा के व्यक्तित्व एवं कृत्तित्व, केंद्रीय जेल द्वारा जेलों का नया दौर, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा स्टार्टअप इकोसिस्टम-स्टार्टअप नीति 2022, आनंद विभाग द्वारा नेकी की दीवार, कृषि विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन, उद्यानिकी विभाग द्वारा खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, महिला बाल विकास विभाग द्वारा वन स्टॉप सेंटर, वनमण्डलाधिकार विभाग द्वारा वन्य प्राणी संरक्षण, संवर्धन एवं वन सुरक्षा, सिंधी साहित्य अकादमी भोपाल द्वारा आजादी के नायकों पर आधारित झांकियां शामिल हैं।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की हुयी प्रस्तुतियां

समारोह के दौरान सैकड़ों विद्यार्थियों द्वारा शारीरिक व्यायाम(पीटी) की आकर्षक प्रस्तुति दी गयी। इसके अलावा समारोह में सात स्कूलों के साढ़े पांच सौ से अधिक विद्यार्थी देश-भक्ति, खेलकूद, संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इनमें शासकीय अहिल्या आश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 के विद्यार्थी भारत के विविध राज्यों की संस्कृति को प्रस्तुत करते हुए नृत्य करेंगे। इसी तरह माँ उमिया पाटीदार कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बच्चे देश के वीरों के शौर्य एवं पराक्रम, शासकीय कस्तूरबा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की बालिकाओं द्वारा खेलो इंडिया कार्यक्रम, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेहरू नगर इंदौर की बालिकाओं द्वारा नए भारत के विविध रंगों, सीएम राइज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मूसाखेड़ी के बच्चों द्वारा भारत के विविध आयामों, गरिमा विद्या विहार के बच्चों द्वारा एक भारत श्रेष्ठ भारत तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भागीरथपुरा के बच्चों द्वारा भारतीय सैनिकों के शौर्य पर आधारित नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गयी। समारोह के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया गया।

नारेबाजी के माध्यम से शहर का सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश हुई नाकाम

एकता और सौहार्द का प्रतीक है इंदौर...

चंकि बाजपेयी
सिटी रिपोर्टर

प्रदेश के बाहर से संचालित हो रहे सोशल मीडिया पर मैसेज।

तीन थानों में 1 दर्जन से अधिक लोगों पर हुई कार्रवाई।

शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुई धर्मगुरुओं के साथ बैठक।

इंदौर/जन प्रकाशन

मध्यप्रदेश सहित इंदौर में शाहरुख खान की फिल्म पठान में भले कॉन्ट्रोवर्सी ना हो लेकिन फिल्म को लेकर कॉन्ट्रोवर्सी सामने आ रही है फिल्म के विरोध प्रदर्शन में धर्म को ठेस पहुंचाने वाले नारेबाजी का वीडियो सामने आना शुरू हो गए इससे जुड़ा भी एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ जिसके बाद असामाजिक तत्व पूरी तरह से सक्रिय हो गए और कई तरह के वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने लगे जिसके बाद शहर में असामाजिक तत्वों द्वारा संचालित हो रही गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए पुलिस विभाग से लेकर तमाम जांच एजेंसियां सचेत हो गई है...।

दरअसल इंदौर स्वच्छता के साथ सौहार्द और एकता के लिए जाना जाता है यहां सभी धर्म एक दूसरे की मान्यताओं को मानते हैं एकता का संदेश देते हैं लेकिन कुछ असामाजिक तत्व इस एकता को भंग करने को लेकर आते हैं लेकिन इस सौहार्द एकता को बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग जिला प्रशासन सहित तमाम समाजिक संगठन अब कमान संभालते हुए नजर आ रहे हैं और किसी के चलते इंदौर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस विभाग द्वारा बैठक लेकर चर्चा की गई चंदन नगर खजराना सदर बाजार सहित अन्य थाना क्षेत्रों में धर्म से जुड़े धर्मगुरुओं से सौहार्द बनाए रखने को लेकर चर्चा हुई है और धर्मगुरुओं ने पूर्ण रूप से आश्वस्त किया है कि किसी भी तरह से माहौल खराब नहीं होने दिया जाएगा यदि कोई माहौल खराब करता है तो उस पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा द्वारा मीडिया से चर्चा के दौरान बताया गया कि दो अलग-अलग विवादित नारेबाजी सामने आई थी और उसी के तहत वीडियो के आधार पर सभी की पहचान सुनिश्चित करते हुए कार्रवाई करते हुए तत्काल गिरफ्तारी भी की गई है और शहर का माहौल खराब ना हो इसके लिए सामाजिक और नैतिक प्रतिनिधि थे समाज के उनसे देर रात तक चर्चा की गई ताकि शहर का माहौल खराब ना किया जा सके इसी के साथ जो सोशल मीडिया पर आने तक गतिविधियां संचालित करते उन्हें भी सीमित किया जा रहा है इसी के साथ जो सोशल मीडिया पर संदेश चल रहे थे उनका खंडन भी किया जा रहा हैं।

नारेबाजी मामले में पुलिस द्वारा दोनों ही पक्षों में करीबन 1 दर्जन से अधिक गिरफ्तारियां की जा चुकी है। छत्रीपुरा थाना क्षेत्र के कस्तूर टॉकीज में हुए नारेबाजी मामले में पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है तो वही सदर बाजार थाने पर दर्ज प्रकरण में पुलिस द्वारा कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।तो वही वीडियो के आधार पर पुलिस अन्य युवकों की तलाश में जुटी हुई है जिन्हें गिरफ्तार किया गया है।न्यायालय में पेश किया गया और वहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

प्रदेश के बहार से संचालित हो रहे सोशल मीडिया पर भड़काऊ मैसेज

पुलिस सोशल मीडिया सेल लगातर कुछ ऐसे अकाउंट जानकारी मिली है जो कि इस शहर और प्रदेश के नहीं है उसके बाउजुद भी आपत्तिजनक मैसेज संचालित ग्रुप के माध्यम से किया जा रहा है वहां से मैसेज संचालित कर शहर वा प्रदेश का संवेदनशीलता को बढ़ाने देकर खराब करने की कोशिश की जा रही है ऐसे सोशल मीडिया के ग्रुप और उन्हें संचालित करने वाले लोगो पर कार्रवाई की जा रही है करते हुए चिन्हित किया जा रहा है।

शहर में समाज की उन्नति सौहार्द के साथ बढ़ सकता है

शहर में लोगों को किसी तरह की कोई समस्या या शिकायत है तो वह सीधे पुलिस से आकर संपर्क करें सोशल मीडिया अन्य माध्यमों से मिल रही जानकारी को बिना सत्यता के आधार पर यकीन ना करें किसी भी समाज की उन्नति सौहार्द और एकता के साथ ही आगे बढ़ सकती है पुलिस लगातार ऐसे असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई कर रही है।

हरिनारायण चारी मिश्रा, पुलिस कमिश्नर

शहर में सौहार्द बिगड़ने नहीं दिया जाएगा

शहर में सौहार्द और एकता काम करने के उद्देश्य से पुलिस विभाग पूरी तरह से सोचे थे सुरक्षा की दृष्टि से तमाम सुरक्षा बल तैनात किया गया है वही चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही है सोशल मीडिया पर भी यदि किसी तरह का कोई आपत्तिजनक फोटो वीडियो या अन्य कोई गतिविधि संचालित हो रही है उस पर भी नजर रखी जा रही है।

संपत उपाध्याय, डीसीपी जोन 2

संपादकीय

हम और हमारा गणतंत्र

जनप्रकाशन

मनोज चौबे
प्रधान संपादक

गणतन्त्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है जो हर वर्ष 26 जनवरी को मनाया जाता है। इस वर्ष 2023 में भारत का 74वां गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। इसी दिन सन् 1950 को भारत सरकार अधिनियम (1935) को हटाकर भारत का संविधान लागू किया गया था। यह भारत के तीन राष्ट्रीय अवकाशों में से एक है, स्वतंत्रता दिवस सविधान के रचियता डॉ. भिमराव अम्बेडकर हैं।

एक स्वतंत्र गणराज्य बनने और देश में कानून का राज स्थापित करने के लिए 26 नवम्बर 1949 को भारतीय संविधान सभा द्वारा इसे अपनाया गया और 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था। इसे लागू करने के लिये 26 जनवरी की तिथि को इसलिए चुना गया था क्योंकि 1930 में इसी दिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भारत को पूर्ण स्वराज घोषित किया था।

इस दिन हर भारतीय अपने देश के लिए प्राण देने वाले अमर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति राष्ट्र के नाम संदेश देते हैं। स्कूलों, कॉलेजों आदि मे कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। भारत के राष्ट्रपति दिल्ली के राजपथ पर भारतीय ध्वज फहराते हैं। राजधानी दिल्ली में बहुत सारे आकर्षक और मनमोहक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। दिल्ली को अच्छी तरह सजाया जाता है कर्त्तव्यपथ पर बड़ी धूम-धाम से परेड निकलती है जिसमें विभिन्न प्रदेशों और सरकारी विभागों की झांकियाँ होतीं हैं। देश के कोने कोने से लोग दिल्ली मे 26 जनवरी की परेड देखने आते हैं। भारतीय सेना अस्त्र-शस्त्रों का प्रदर्शन होता है। 26 जनवरी के दिन धूम-धाम से राष्ट्रपति की सवारी निकाली जाती है तथा बहुत से मनमोहक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

देश के हर कोने मे जगह जगह ध्वजवन्दन होता है और कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विश्व भर में फैले हुए भारतीय मूल के लोग तथा भारत के दूतावास भी गणतंत्र दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनातें हैं। भारत के हर कोने कोने में मनाया जाता है, और देश के प्रति एक नई उमंग देखने को मिलती है।

गणतंत्र दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि 26 जनवरी 1950 को पूरे 2 साल 11 महीने और 18 दिन लगा कर बनाया गया संविधान लागू किया गया था और हमारे देश भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया गया। वैसे तो हमारा देश 15 अगस्त 1947 को अंग्रेज़ों के चंगुल से आज़ाद हो गया था परंतु इस आज़ादी को रूप 26 जनवरी को दिया गया। तब से अब तक हम इस दिवस को आज़ादी के दिन के रूप मे मनाते है आज हमे आज़ादी मिले हुए पूरे 75 साल हो चुके है

हमारे देश की आज़ादी किसी भी एक व्यक्ति के कारण नहीं हुई हमारे देश की आज़ादी बहुत सारे भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस अशफ़ाक उल्ला खां गांधी आज़ाद आदि जैसे महान पुरूषो के बलिदान का परिणाम है। देश भक्त अपने देश को गुलामी की जनजीरो से बंधा ना देख सके अपने देश को आज़ाद कराने के लिए उन्होने अपने प्राण तक त्याग दिये उनके बलिदानों के कारण अंग्रेज़ों को अपने घुटने टेकने पड़े और उन्होने भारत को आज़ाद कर दिया।

सा.

प्रधानमंत्री पर जुर्माना

जनप्रकाशन

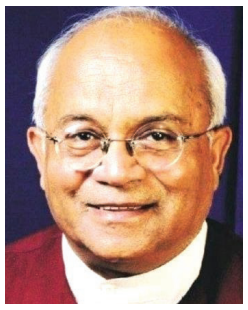

डॉ. वेदप्रताप वैदिक
(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद् के अध्यक्ष और अफगान मामनों के विशेषज्ञ)
dr.vaidik@gmail.com

प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद भारत और दुनिया के कई प्रधानमंत्रियों को हमने जेल जाते हुए देखा है लेकिन कोई प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति के पद पर विराजमान हो, उस पर उसकी पुलिस जुर्माना ठोक दे, क्या आपने ऐसा किस्सा कभी सुना है? ब्रिटेन में अभी-अभी यही हुआ है। आजकल ब्रिटेन के प्रधानमंत्री भारतीय मूल के ऋषि सुनाक हैं। उन्हें लंदन की पुलिस ने जुर्माना देने के लिए मजबूर कर दिया है। उनका अपराध बस यही था कि अपनी कार में यात्रा करते हुए उन्होंने पट्टा (बेल्ट) नहीं बांध रखा था। पट्टा तो वे बांधे हुए थे, क्योंकि कार में बैठे लोगों को पट्टा बांधना अनिवार्य है लेकिन हुआ यह कि कोई टीवी चैनलवाला पत्रकार उनसे भेंटवार्ता करने कार में आ बैठा। उन्होंने अपना बेल्ट हटा दिया, क्योंकि टीवी के पर्दे पर वह अच्छा नहीं दिखता। पुलिस या किसी ने उन्हें नहीं देखा। फिर भी लोगों को कैसे पता चला कि उन्होंने कानून का उल्लंघन किया है? उनकी भेंटवार्ता जब टीवी पर दिखाई गई तो सबने देखा कि प्रधानमंत्री बिना बेल्ट के ही कार से यात्रा कर रहे हैं? बस क्या था? विरोधी नेताओं ने बयानों के गोले दागने शुरु कर दिए। लंदन की पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर दी। ज़रा सोचिए कि ब्रिटेन की जगह कार में भारत, पाकिस्तान या नेपाल का कोई नेता बैठा होता तो उस देश के किसी पुलिसवाले की हिम्मत पड़ती कि वे उन पर वह जुर्माना ठोकता? सुनाक के पहले प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को भी दंडित किया गया था, क्योंकि उन्होंने कोविड नियमों का उल्लंघन करके अपने घर पर सामूहिक प्रीति-भोज का आयोजन किया था। कानून का पालन हर आदमी करे, चाहे वह राष्ट्रपति हो या प्रधानमंत्री, इसे ही 'कानून का राज' कहते हैं। भारत भी दावा करता है कि उसके यहां 'कानून का राज' है लेकिन असलियत क्या है? हमारे यहां तो 'कानून का राज' नहीं, 'राजा का कानून' है। प्रधानमंत्री तो बहुत बड़ी चीज़ है, क्या कभी किसी सांसद या विधायक को भी हमारी पुलिस छू पाती है? हाँ, यदि वह विरोधी दल का हो तो और बात है। विरोधी दलों के कई बड़े-बड़े नेताओं को हमने भारत में जेल जाते हुए देखा है लेकिन सत्तारुढ़ लोगों की गुलामी करते रहना अक्सर हमारे नौकरशाह, पुलिसवाले और पत्रकार लोग भी अपना पुनीत कर्तव्य समझते हैं। इन लोगों में कुछ अत्यंत साहसी और सम्मानीय अपवाद भी भारत में जरुर पाए जाते हैं। ऋषि सुनाक ने अपनी इस भूल पर जनता से माफी मांगी है लेकिन उनके विरोधी इस ब्रिटिश प्रधानमंत्री के खिलाफ जमकर जहर उगल रहे हैं। वे कह रहे हैं कि जो बेल्ट नहीं बांधता है और जिसे जुर्माना भरने के लिए अपना डिजिटल कार्ड भी ठीक से इस्तेमाल करना नहीं आता तो वह सफल प्रधानमंत्री कैसे बन सकता है? सुनाक की कन्जर्वेटिव पार्टी के एक अंग्रेज सांसद ने इन हास्यास्पद आरोपों का जवाब देते हुए कहा है कि ब्रिटेन में विरोधी दलों के पास कहने के लिए कुछ नहीं है तो वे इसे ही तिल का ताड़ बना रहे हैं। **ये लेखक के अपने विचार है)**

रथ सप्तमी आज लंबी उम्र पाने और बीमारियों से छुटकारे के लिए इस दिन व्रत और सूर्य पूजा करने का विधान

इंदौर/ जन प्रकाशन

रथ सप्तमी व्रत माघ महीने के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को रखा जाता है। मत्स्य पुराण के मुताबिक ये पूरी तरह से भगवान सूर्य को समर्पित है। इस दिन किए गए स्नान, दान और पूजा-पाठ का हजार गुना ज्यादा शुभ फल मिलता है। इस बार ये 28 जनवरी को है।

रथ सप्तमी पर सूर्योदय से पहले पवित्र स्नान करने का विधान ग्रंथों में बताया गया है। रथ सप्तमी पर तीर्थ और पवित्र नदियों में किया गया स्नान एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है और इसे केवल सूर्योदय के वक्त या उससे पहले किया जाना चाहिए। सप्तमी के दिन भगवान सूर्य की आराधना करने से आरोग्य, पुत्र और धन प्राप्ति होती है। ग्रंथों में सूर्य को आरोग्यदायक कहा गया है। सूर्य उपासना को रोग मुक्ति का रास्ता बताया गया है। इस कारण इसे आरोग्य सप्तमी भी कहा जाता है।

पूजन विधि व महत्व

स्नान करने के बाद सूर्योदय के समय में भक्त सूर्य भगवान को अर्घ्यदान देते हैं। इस दौरान भक्तों को नमस्कार मुद्रा में होना चाहिए और सूर्य भगवान की दिशा के तरफ मुख होना चाहिए। इसके बाद भक्त घी के दीपक और लाल फूल, कपूर और धूप के साथ सूर्य भगवान की पूजा करते हैं। इन सभी अनुष्ठानों को करने से सूर्य भगवान अच्छे स्वास्थ्य दीर्घायु और सफलता के वरदान देते हैं।

इस दिन कई घरों में महिलाएं सूर्य देवता के स्वागत के लिए उनका और उनके रथ के साथ चित्र बनाती हैं। वे अपने घरों के सामने सुंदर रंगोली बनाती हैं। आंगन में मिट्टी के बर्तनों में दूध डाल दिया जाता है और सूर्य की गर्मी से उसे उबाला जाता है। बाद में इस दूध का इस्तेमाल सूर्य भगवान को भोग में अर्पण किए जाने वाले चावलों में किया जाता है।

व्रत कथा

माघ शुक्ल सप्तमी की कथा का जिक्र पुराणों में मिलता है। जिसके मुताबिक भगवान कृष्ण के बेटे साम्ब को अपने शरीर और ताकत पर बहुत अभिमान था। बहुत दिनों तक तप करके के बाद एक दिन दुर्वासा ऋषि श्रीकृष्ण से मिलने आए। कई दिनों के तप की वजह से वो शारीरिक तौर पर बहुत कमजोर हो गए थे।

साम्ब ने उनकी कमजोरी का मजाक उड़ाया इससे उनका अपमान हुआ। इस कारण ऋषि ने गुस्सा होकर साम्ब को कुष्ठ होने का श्राप दिया। अपने बेटे की परेशानी देख श्रीकृष्ण ने साम्ब को भगवान सूर्य की उपासना करने के लिए बोला। पिता की बात मानकर साम्ब ने सूर्य आराधना शुरू की, जिससे कुछ ही दिनों में बीमारी ठीक हो गई।

सा.

G20 भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 मध्य प्रदेश

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मध्यप्रदेश शासन

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

प्रदेशवासियों को
74 वें
गणतंत्र दिवस पर
हार्दिक शुभकामनाएं

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

निरंतर विकास की ओर अग्रसर
मध्यप्रदेश का हर गाँव - हर शहर

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2023

बसंत पंचमी के अवसर पर महाकाल मंदिर में हुई विशेष भस्मारती

बाबा महाकाल को पीले वस्त्र, सरसो और फुल चढ़ाए गए गणतंत्र दिवस होने की वजह से भगवान महाकाल को तीन रंगों का किया गया श्रृंगार

उज्जैन/ जन प्रकाशन

धर्म नगरी उज्जैन के महाकाल मंदिर में प्रत्येक त्यौहार सबसे पहले मनाने की परम्परा है | यहाँ सुबह तीन बजे भस्मारती में बाबा महाकाल को पीले द्रव्य से स्नान कराया गया | इसके बाद पीले चन्दन से आकर्षक श्रंगार कर सरसों और गेंदे के पीले फुल अर्पित किए गए | पीले वस्त्र पहनाकर विशेष आरती की गई और फिर पीले रंग की मिठाई का महा भोग लगाया गया | महाकाल मंदिर में बसंत पंचमी पर्व का उत्साह साफ़ दिखाई दे रहा है | हिंदू कैलेंडर के अनुसार माघ मास के शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि को देवी मां सरस्वती का प्राकट्य दिवस मनाया जाता है। ग्रंथों के अनुसार इस दिन देवी मां सरस्वती प्रकट हुई थीं। तब देवताओं ने देवी स्तुति की। स्तुति से वेदों की ऋचाएं बनीं और उनसे वसंत राग। इसलिए इस दिन को वसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। दरअसल गणतंत्र दिवस और बसंत पंचमी पर्व एक साथ होने की वजह से यहां बाबा महाकाल को राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंगों का श्रृंगार भी किया गया। बाबा महाकाल के ललाट पर तीन रंगों का तिलक लगाया गया। इसके साथ ही तिरंगा माला भी पहनाई गई। यहां गर्भगृह व नंदीहाल को फूलों से सजाया गया। बीच-बीच में राष्ट्रीय ध्वज भी लगाए गए। बाबा महाकाल का दरबार बसंत पंचमी की भक्ति के साथ ही राष्ट्रभक्ति में भी ओत प्रोत दिखाई दिया।

गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.मोहन यादव ने मुख्य कार्यक्रम में ध्वजारोहण किया

उज्जैन/ जन प्रकाशन

भारतीय गणराज्य के 74 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य समारोह आज दशहरा मैदान में आयोजित किया गया। मुख्य समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की संदेश का वाचन किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ.यादव प्रातः 9 बजे दशहरा मैदान पहुंचे तथा यहां उन्होंने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के पश्चात मुख्य अतिथि ने परेड का निरीक्षण किया व गुब्बारे छोड़े। इसके बाद उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण अवसर पर कलेक्टर आशीष सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र कुमार शुक्ल मुख्य अतिथि के साथ थे। निरीक्षण के उपरांत उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.यादव द्वारा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के संदेश का वाचन किया गया। इसके बाद जिला पुलिस बल, होमगार्ड, सशस्त्र पुलिस की टुकड़ी द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट निकाला गया। मार्च पास्ट के बाद उच्च शिक्षा मंत्री ने कमांडरों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों के परिजनों एवं लोकतंत्र सैनानियों का शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए

गणतंत्र दिवस समारोह में आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किये गये। सर्वप्रथम खेलो इंडिया पर केन्द्रित पीटी जम्प रोप, डांस एवं लाठी प्रदर्शन, अशासकीय स्कूल सेंट मेरी कॉवेंट, अक्षत इंटरनेशनल, निनाद डांस अकादमी व दिव्य शक्ति पारम्परिक लोक कला संस्थान की ओर से प्रदर्शित किया गया। इसी तरह शासकीय उमावि माधवगंज द्वारा आर्मी थीम पर आधारित गीत वन्दे मातरम, शासकीय उमावि कन्या क्षीर सागर द्वारा वन्दे मातरम व भारत मां की लाज बचाने आई बेटी हिन्दुस्तान की, शासकीय उमावि दौलतगंज द्वारा जयशंकर प्रसाद की कविता हिमाद्री तुंग श्रृंग से प्रबुद्ध तथा भारतीय ज्ञानपीठ उमावि के बच्चों द्वारा मंगल पाण्डेय, सुभाषचंद्र बोस एवं झांसी की रानी पर आधारित नृत्य गीत की प्रस्तुति दी गई।

आकर्षक झांकियां निकली

सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद विभिन्न विभागों द्वारा तैयार की गई आकर्षक झांकियां निकाली गई। सर्वप्रथम नगर पालिक निगम द्वारा महाकाल लोक और थू थू थू कैंपेन पर, जिला पंचायत द्वारा गो अपशिष्ट से आजीविका संवर्धन पर, कृषि विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान, महिला बाल विकास द्वारा बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन, सिंचाई विभाग द्वारा रमजानखेड़ी बैराज, जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा खेलो इंडिया, सीएमएचओ द्वारा टीबीमुक्त जिला, उद्योग विभाग द्वारा उद्योगों के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने, वन विभाग द्वारा वन्यप्राणी रेस्क्यू, विकास प्राधिकरण द्वारा श्री महाकालेश्वर मन्दिर के आन्तरिक परिसर का विस्तार, पशुपालन विभाग द्वारा किसानों की आय का आधार पशुपालन विषय पर आकर्षक झांकियां निकाली गई।

पुरस्कार वितरण

उच्च शिक्षा मंत्री द्वारा कार्यक्रम के पश्चात पुरस्कारों का वितरण किया गया। उन्होंने जिले में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारियों को विशिष्ट सेवा के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने परेड में प्रथम स्थान पर जिला पुलिस बल महिला प्लाटून, द्वितीय स्थान पर जिला होमगार्ड प्लाटून, तीसरे स्थान पर 32वी वाहिनी विशेष सशस्त्र बल की प्लाटून के कमांडरों को शील्ड प्रदान की। इसी तरह झांकी में प्रथम स्थान पर शिक्षा विभाग की झांकी, द्वितीय स्थान पर पीएचई की झांकी तथा तृतीय स्थान नगर निगम की झांकी को पुरस्कृत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

समारोह में आईजी संतोष कुमार सिंह, डीआईजी अनिल कुशवाह, जिला पंचायत अध्यक्ष कमला कुंवर, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव, जिला पंचायत सदस्य शोभाराम मालवीय, पूर्व विधायक राजेंद्र भारती, विवेक जोशी, बहादुरसिंह बोरमुंडला, सत्यनारायण खोईवाल, अनिल जैन कालूहेड़ा, रूप पमनानी, संजय अग्रवाल सहित गणमान्य नागरिक मौजूद थे। गणतंत्र दिवस पर आयोजित समारोह का संचालन शैलेंद्र व्यास स्वामी मुस्कुराके व पद्मजा रघुवंशी द्वारा किया गया।

आबकारी विभाग द्वारा शुष्क दिवस पर की गई कार्रवाई

इंदौर/ जन प्रकाशन

कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी के आदेश एवं सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के निर्देशानुसार 26 जनवरी को शुष्क दिवस पर दो महत्वपूर्ण प्रकरण कायम किए गए। (1)आरोपी रोहित पिता शंकरलाल जाति तंवर उम्र 19 वर्ष निवासी संत नगर इन्दौर के रिहायशी मकान से 16 पेटियों में 800 पाव मसाला मदिरा कुल 144 बल्क लीटर जप्त कर दोनों आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(2) के प्रकरण पंजीबद्ध कर प्रकरण गैर जमानती होने पर जेल भेजा गया। उक्त कार्यवाही प्रियंका शर्मा द्वारा की गयी। दूसरी कार्यवाही में आरोपी कृष्णा दामके पिता संतोष निवासी राहुल गांधी नगर गली नं 1 इन्दौर थाना भंवरकुआ से 08 पेटियो में देशी मदिरा प्लेन के 400पाव कुल 72 बल्क लीटर शराब जप्ती की गयी। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। यह कार्यवाही भगवानदास अहरवार द्वारा की गयी।

साथ ही वृत्त मालबा मिल ब के उप निरीक्षक महेश पटेल द्वारा दो महत्वपूर्ण प्रकरणों की कार्यवाही में एक मोटरसाइकिल क्रमांक एम पी 09 वी एम 8411 और देशी मदिरा प्लेन की 1 पेटी ओर 1 पेटी बॉम्बे व्हिस्की 1 पेटी लेमाउंट बियर 24 कैन गोल्ड बर्ग बियर जप्त की गई। जिनका बाजार मूल्य लगभग 1 लाख 50 हजार 270 रूपये है। इसी अनुक्रम में कपिल सिलावट के मकान की तलाशी मे 22 पाव मसाला एवं 08 पाव प्लेन मदिरा जप्त की गयी। शांतिनगर स्थित भैरव बाबा मंदिर चौराहा पर करण ऊर्फ भंगार दहिया के कब्जे से 22 पाव देशी मदिरा प्लेन शराब जप्त किया गया। कलाबाई पत्नि किशोर भील के यहां 12 पाव जप्त किए गए। अहिरखेडी में वृत बालदा उपनिरीक्षक द्वारा देशी मदिरा प्लेन के 40 पाव जप्त और व्दारकापुरी एवं घनश्याम दास नगर 22 पाव प्लेन एवं 18 पाव मसाला, वृत सांवेर में अधिकारी व्दारा गांव बधाना में 31 पाव प्लेन शराब जप्त किया जाकर धारा 34(1) के तहत प्रकरण कायम किए गए। इसके अतिरिक्त कार्यवाही में आर के निगम, बी के वर्मा, अवधेश पाण्डे सहायक जिला आबकारी अधिकारी एवं उप निरीक्षक प्रियंका शर्मा, बी डी अहिरवार, महेश पटेल, राजेश तिवारी, सोनाली बेंजामिन, मनमोहन शर्मा, मीरा सिंह, अमर बघेल के द्वारा की गई। कार्यवाही में मुख्य आरक्षक बाबूलाल, रवि कौशल, जगदीश पटेल, बालमुकुन्द गौड, बद्रीलाल जमरा और आरक्षक विपुल खरे, मुकेश रावत, अरविंद शर्मा, सतेज कोपरगांवकर, भगवान बिरला, उस्मान बेग, इन्दू ठाकुर, रुचिर धुर्वा, प्रमोद शेठे, निहाल सिंह बुन्देला, की भूमिका रही। आबकारी द्वारा इस प्रकार की कार्यवाही लगातार जारी है। जप्त की गई मदिरा ओर वाहनों की कुल कीमत लगभग 1 लाख 59 हजार रुपए है।

इंदौर लोक परिवहन को डिजिटल कैशलेश सेवा की सौगात

इंदौर/जन प्रकाशन

जितेंद्र माथुर। सिटी बसों को मिल रहे प्रतिसाद एवं यात्रियो की मांग को ध्यान में रखते हुए आई.सी.टी.एस.एल. द्वारा गणतंत्र दिवस के मौके पर यात्रियों को महत्वपूर्ण सौगात दी है।

एआईसीटीएसएल द्वारा चलो एप के माध्यम कैशलेश डिजिटल बस सेवा शुरू की गई है। अभी एक बस में यह व्यवस्था लागू की गई है। इंदौर शहर में रूट क्रमांक R-4 रेती मंडी से ए.पी.जे. अब्दुल कलाम यूनिर्वसिटी तक आरंभ हुई शत - प्रतिशत केशलेस डिजिटल बस सेवा का महापौर इन्दौर एवं अध्यक्ष, ए.आई.सी.टी. एस.एल पुष्यमित्र भार्गव द्वारा श्रीगणेश किया गया। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। महापौर ने बताया किया डिजिटल केशलेस सेवा के तहत पांच बसों का संचालन किया जाएगा।साथ ही यह घोषणा भी की, कि इस डिजिटल सेवा के सफलता पूर्वक संचालन पश्चात शहर की अधिकतम सिटी बसों को भी डिजिटल बस में परिवर्तित किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि यह डिजिटल सेवा भारत की प्रथम डिजिटल बस सेवा है। जो यात्रियो को सुगम एवं त्वरित लोक परिवहन सेवा उपलब्ध कराएगी। उन्होंने डिजिटल ट्रांजेक्शन में 20 प्रतिशत की छूट देने की भी घोषणा की।इस अवसर पर नगर निगम अपर आयुक्त , आई ए एस सिद्धार्थ जैन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

समय पर जल कर भरे,
स्वच्छता का ध्यान रखे

नगर परिषद महुगांव की ओर से आप सभी को

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

अध्यक्ष
नवीन तिवारी

उपाध्यक्ष
लक्ष्मीनारायण पंवार

इंदौर की केंद्रीय जेल से गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में रिहा हुए बंदी

जेल से वर्ष में चार बार रिहा होगे बंदी

इंदौर/जन प्रकाशन

चंकि बाजपेयी। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर की केंद्रीय जेल से गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) के उपलक्ष में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी अच्छे आचरण धारक बंदियों को शासन की अनुशंसा पर गंभीर अपराधों में बंद 24 पुरुष वा 2 महिला बंदियों को रिहा किया गया।जेल में ही बंदियों को भविष्य में जीविका संचालित करने के उद्देश्य से कई तरह के रोजगार से जुड़ी स्किल सिखाई गई है....।

इंदौर में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में केंद्रीय जेल से बंदियों को रिहा किया गया जिनमें 24 पुरुष और 2 महिला बंदियों को रिहा किया गया है।इस रिहाई को लेकर जेल अधीक्षक अलका सोनकर द्वारा बताया गया कि इस रिहाई में 20 वर्ष की सजा पूर्ण कर कर चुके बंदियों कि पिछले दिनों लिस्ट तैयार की गई थी जिसमें उन बंदियों को शामिल किया गया है,जिनका जेल में आचरण काफी अच्छा रहा उन बंधुओं को मध्य प्रदेश शासन के अनुशंसा पर इस वर्ष रिहा किया जा रहा है।इसी के साथ बंदियों को भविष्य में रोजगार कर अपना जीवन यापन जी सके इसके लिए जेल परिसर में ही विभिन्न तरह की स्किल सिखाई गई है।कुछ बंदी पढ़ाई में अच्छा कर पाए तो कुछ बंदियों ने ऐसी स्किल सीखी है जो जेल के बाहर रिया होने के बाद अपना स्वयं का रोजगार संचालित कर सकते हैं।इन बंदियों में कुछ बंदियों द्वारा हत्याएं जैसे गंभीर अपराध दर्ज थे लेकिन जेल परिसर में सालों बिताने के बाद अब वह पूरी तरह से आम नागरिक का जीवन यापन जीने को आतुर हैं और इसी के कारण उनके अच्छे आचरण के चलते हैं उन्हें रिहा कर भविष्य की शुभकामनाएं दी गई है।

प्रतिवर्ष 26 जनवरी(गणतंत्र दिवस), 2 अक्टूबर गांधी जयंती, अंबेडकर जयंती पर अच्छे आचरण वाले बंदियों को रिहा किया जाएगा।

इंदौर के फूटी कोठी पर भी फहराया गया तिरंगा

इंदौर/जन प्रकाशन

इंदौर में भगवा ऑटो रिक्शा चालक संघ द्वारा तमाम तरह के सामाजिक कार्य किए जाते हैं और इसी तारतम्य में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम शहर के फूटी कोठी चौराहे पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा बच्चों और युवाओं को देश के संविधान के बारे में बताते हुए मौलिक अधिकारों की जानकारी दी गई।तो वही जिस तरह से भगवा ऑटो संघ से जुड़े ऑटो रिक्शा चालकों द्वारा शहर में चल रही तमाम गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर शहर का नाम रोशन किया है उसके बारे में भी अनुशंसा की गई।कार्यक्रम के दौरान यूनियन के पदाधिकारी वीरेंद्र त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि सभी समाज जनों का स्वागत सत्कार कर कार्यक्रम किया गया है इसी के साथ ऑटो रिक्शा चालकों के लिए स्थाई रिक्शा स्टैंड की मांग को लेकर महापौर को एक आवेदन सौंपा गया है ताकि रिक्शा चालकों को भी एक पक्का स्टैंड मिल सके।

दिव्यांग जनों और अन्य जरूरतमंदो के लिए वरदान साबित हो रही है जनसुनवाई

इंदौर/जन प्रकाशन

कलेक्टर कार्यालय में हर मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई दिव्यांगों और अन्य जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए वरदान साबित हो रही है। जनसुनवाई में समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई में देर शाम तक बैठकर नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुन रहे हैं और उनका संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जा रहा है।

जनसुनवाई दिव्यांगजन के लिए वरदान साबित हो रही है।जनसुनवाई में दिव्यांग जनों को जहां एक ओर कोचिंग, शिक्षा और रोजगार के लिए वाहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर अन्य जरूरतमंदों को आवास, इलाज सहित अन्य तत्कालिक आवश्यकताओं के लिए भी सहयोग किया जा रहा है। समस्याओं का प्राथमिकता के साथ अधिकारियों द्वारा निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर कार्यालय में इसी मंगलवार हुई जनसुनवाई में तीन दिव्यांग जनों के हौसलों को नई उड़ान मिली। जनसुनवाई में दिव्यांग कुमारी गोरा बडोले ने बताया कि वह देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से बीएड की नियमित परीक्षा की तैयारी कर रही है। पारिवारिक आर्थिक परिस्थिति ठीक नहीं है। दिव्यांग होने से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी तरह दिव्यांग कुमारी सोमती चौधरी ने बताया कि वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही है। आने-जाने में परेशानी होती है। गरीब परिवार से है। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने कुमारी सोमती चौधरी और कुमारी गोरा बडोले को तत्काल मोटोराइज्ड दो पहिया वाहन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। साथ ही रेडक्रास मद से दोनों बालिकाओं को 10-10 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई। इसी तरह एक अन्य दिव्यांग प्रमोद लोधी को भी मोटोराइज्ड वाहन और 5 हजार रूपये की आर्थिक सहायता दी गई।

जनसुनवाई में सैकड़ों आवेदकों की समस्याएं सुनी गई और मौके पर कई आवेदकों की समस्याओं का निराकरण किया गया। कुछ आवेदनों के निराकरण के लिये समयसीमा तय की गई है।

नवनियुक्त आरक्षक वर्दी की मर्यादा को कभी न भूलें- सीएम चौहान

इंदौर/जन प्रकाशन

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश पुलिस का चेहरा संवेदनशीलता, वीरता, देश भक्ति और अनुशासन का है। इसे कभी बिगड़ने मत देना, यही पूँजी है जिसने मध्यप्रदेश पुलिस का देश में विशेष स्थान बनाया है। आज जिन नौजवानों ने पुलिस की वर्दी पहनी है, यह साधारण वर्दी नहीं है। यह वर्दी है देश और प्रदेश की सुरक्षा, अपराधियों को नेस्तनाबूद करने, निर्बलों को ताकत देने, अपराधियों को कुचलने और सज्जनों का उद्धार करने की। इसकी मर्यादाओं को कभी भूलना नहीं और इस पर कभी कलंक मत लगने देना। अपनी माँ और भारत माँ के दूध की लाज रखना, आपका दायित्व है। नव आरक्षक, जोश, जुनून और उत्साह के साथ अपने कर्त्तव्य पथ पर अग्रसर हों।

मुख्यमंत्री चौहान आज रक्षित केन्द्र, नेहरू नगर भोपाल में नवनियुक्त 06 हजार आरक्षकों को नियुक्ति प्रमाण-पत्र वितरण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री चौहान का बिगुल और बैंड की ध्वनि के साथ पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री चौहान ने दीप जला कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मध्यप्रदेश पुलिस के आरक्षकों ने मध्यप्रदेश गान प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री चौहान ने अपने आशीर्वाद तथा शुभकामनाओं के प्रतीक स्वरूप नव आरक्षकों पर पुष्प वर्षा की। सभी 6 हजार नव आरक्षकों ने करतल ध्वनि से मुख्यमंत्री चौहान का अभिवादन किया। नव आरक्षकों की ओर से खरगोन की रक्षा सोलंकी और निवाड़ी में पदस्थ आकाश कुशवाह ने पुलिस में चयन तथा अपने लक्ष्यों के संबंध मेंविचार साझा किए। मुख्यमंत्री चौहान ने प्रतीक स्वरूप 5 नव आरक्षकों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए।

मध्यप्रदेश पुलिस का गौरवशाली इतिहास रहा है

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि नव आरक्षकों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया से उनकी मेहनत, लगन, योग्यता और कर्तव्यनिष्ठा के आधार पर हुआ है, इसके लिए आप बधाई के पात्र हैं। पुलिस का कार्य केवल नौकरी नहीं, देशभक्ति और जनसेवा का संकल्प भी है। मध्यप्रदेश पुलिस का गौरवशाली इतिहास रहा है। कश्मीर में कबाइलियों को खदेड़ने, हैदराबाद के एक्शन और गोवा की मुक्ति में मध्यप्रदेश पुलिस का उल्लेखनीय योगदान रहा। देश के किसी भी कोने में होने वाली राष्ट्र विरोधी गतिविधियाँ को कुचलने में मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रभावी भूमिका निभाई है। प्रदेश को डकैतों के आतंक से मुक्त करना हो या नक्सलवादी गतिविधियों को रोकने का विषय हो, अपने कर्तव्य पथ पर रहते हुए मध्यप्रदेश पुलिस ने राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन किया है। नव आरक्षकों का यह सौभाग्य है कि वे इस गौरवशाली परम्परा का भाग बन रहे हैं।

पुलिस आरक्षक अपनी बीट की सभी गतिविधियों के प्रति जागरूक और सतर्क रहें

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि नव आरक्षक जैसा काम करेंगे, उनकी छवि वैसी ही बनेगी। हमारा चरित्र ही हमारा पूँजी है। मध्यप्रदेश पुलिस का मतलब है, सज्जनों के लिए फूल से अधिक कोमल और दुष्टों व अपराधियों के लिए वज्र से अधिक कठोर। पुलिस आरक्षक के रूप में अपनी बीट की सभी गतिविधियों और वहाँ के लोगों के प्रति जागरूक रहना आपका कर्तव्य है। नव आरक्षक अपनी बीट के अवैध काम करने वालों से मित्रवत होने से बचें, यह सावधानी और सतर्कता आपके कर्तव्य निर्वहन के लिए आवश्यक है। नव आरक्षकों को यह भरोसा जगाना होगा कि आप जनता के रक्षक हैं। मध्यप्रदेश पुलिस ने सिंहस्थ और कोविड काल में अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया। कोविड के कठिन काल में पुलिस के सिपाहियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर जनता की सेवा की और कुछ पुलिसकर्मियों ने तो कर्तव्य पथ पर अपना जीवन होम कर दिया।

मेहनत, प्रामाणिकता और ईमानदारी से ही बनती है छवि

मुख्यमंत्री चौहान ने नव आरक्षकों का उन्मुखीकरण करते हुए कहा कि बेहतर कार्य के लिए टीम भावना आवश्यक है। हमारी छवि मेहनत, प्रमाणिकता और ईमानदारी से ही बनती है। जनता के जीवन से खिलवाड़ करने वालों, अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को किसी भी स्थिति में छोड़ा नहीं जाए, राज्य सरकार आपके साथ है। प्रत्येक नव आरक्षक की कोशिश यह हो कि वह जहाँ पदस्थ हो, वहाँ की जनता उसकी कार्यप्रणाली के उदाहरण दें। मुख्यमंत्री ने नव आरक्षकों को अपनी कार्य-प्रणाली में आधुनिक तकनीक का हरसंभव उपयोग, संवेदनशीलता और सेवा की भावना रखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पुलिस के जवानों को तनाव मुक्त रखने और उन्हें निश्चित समय-सीमा में अवकाश मिलने के लिए संस्थागत व्यवस्था की जाएगी।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले बिजली अधिकारी सम्मानित

इंदौर/ जन प्रकाशन

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण किया। श्री तोमर ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बिजली अधिकारियों को सम्मानित करते हुए आगे भी ऊर्जा क्षेत्र के कार्यों को लगन के साथ करने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक श्री रिंकेश कुमार वैश्य, कार्यपालक निदेशक श्री मनोज झंवर, श्री संजय मोहासे, श्री गजरा मेहता अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण सर्वश्री कैलाश शिवा, पुनीत दुबे, ओएल बमानिया, एसएल करवाड़िया, नरेंद्र बिवालकर, संजय वत्स आदि मौजूद थे। इधर जिला प्रशासन के आयोजन में प्रवासी भारतीय सम्मेलन और इन्वेस्टर समिट के दौरान अच्छा कार्य करने पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने शहर वृत्त के बिजली अधिकारियों का सम्मान किया।

फुटबॉल इतिहास में पहली बार हुआ व्हाइट कार्ड का इस्तेमाल

फुटबॉल में येलो कार्ड और रेड कार्ड के बारे में तो सभी जानते है। लेकिन, पुर्तगाल की विमेंस लीग में रेफरी ने अपनी जेब से वाइट कार्ड निकाला। यह सफेद कार्ड पुर्तगाल के क्लब बेनफिका और स्पोर्टिंग लिस्बन के बीच महिला कप के क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान दिखाया गया। हाफ टाइम के ठीक पहले बेनफिका 3-0 से आगे चल रही थी, उसी समय रेफरी ने व्हाइट कार्ड दिखाने का फैसला किया। कार्ड के निकलते ही स्टेडियम के दर्शकों ने रेफरी का लिए चीयर किया।

व्हाइट कार्ड का मतलब और मैच के दौरान व्हाइट कार्ड की जरूरत क्यों पड़ी

पुर्तगाल की नेशनल प्लान फॉर एथिक्स इन स्पोर्ट ने एक नई पहल की है, इसके मुताबिक वाइट कार्ड फेयर प्ले के लिए दिखाया जाएगा। पुर्तगाल फुटबॉल फेडरेशन ने इस पायलट प्रोजेक्ट को शुरू किया है। जब भी दो टीमें आपस में खेल भावना के साथ खेलेगी, तब रेफरी व्हाइट कार्ड दिखाएंगे।

बेनफिका और स्पोर्टिंग लिस्बन के बीच मैच के दौरान दर्शकों में मौजूद एक फैन बीमार होकर बेहोश हो गया। स्थिति को संभालने के लिए दोनों ओर से टीम की मेडिकल टीम स्टैंड्स पर पहुंची और कुछ ही मिनटों में फैन को मेडिकल ट्रीटमेंट दिया गया। मेडिक्स की तारीफ में रेफरी ने सफेद कार्ड दिखाया। इसके बाद बेनफिका ने पुर्तगाल में एक महिला फुटबॉल खेल के लिए रिकॉर्ड भीड़ के सामने 5-0 से मुकाबला जीत लिया।

सुंदर का अर्धशतक बेकार पहले टी20 में न्यूजीलैंड 21 रन से जीता

एजेंसी/ रांची

न्यूजीलैंड ने पहले टी20 में भारत को 21 रन से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 176 रन बनाए थे। डेवोन कॉनवे ने 52 और डेरिल मिचेल ने नाबाद 59 रन की पारी खेली थी। जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 155 रन ही बना सकी। भारत की ओर से सूर्यकुमार यादव ने 47 रन और वॉशिंगटन सुंदर ने 50 रन की पारी खेली। इस जीत के साथ

न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा मैच रविवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा।

यह हार्दिक की कप्तानी में भारतीय टीम की दूसरी हार है। इससे पहले टीम श्रीलंका से हारी थी। वहीं, भारतीय टीम पिछले करीब 15 महीने बाद टी20 फॉर्मेट में न्यूजीलैंड से हारी है। इस मैच से पहले इस फॉर्मेट में कीवी टीम से भारत को पिछली हार 31 अक्तूबर 2021 को मिली थी। तब टी20 वर्ल्ड कप में दुबई में न्यूजीलैंड ने भारत को हराया था।

मनोरंजन

Oscar 2023 के लिए नॉमिनेट हुआ जैकलीन फर्नांडिस का 'अप्लॉज' गाना

'नाटू नाटू' से होगी सीधी टक्कर

एजेंसी/ मुंबई

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस इन दिनों कॉनमैन सुकेश चंद्रशेखर के 200 करोड़ रुपये से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। ईडी की चार्जशीट में नाम आने के बाद एक्ट्रेस जैकलीन लगातार दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में अपने बयान दर्ज करवा रही हैं। हालांकि वैसे तो जैकलीन फर्नांडिस अपनी निजी जिंदगी में इतनी परेशानियों का सामना कर रही हैं। लेकिन प्रोफेशनल जिंदगी में जैकलीन को एक बड़ी खुशखबरी मिली है, दरअसल जैकलीन की फिल्म 'टेल इट लाइक अ वुमन' के गाने 'अप्लॉज' को ऑस्कर 2023 में बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग कैटगरी के लिए नॉमिनेट किया है।

जैकलीन फर्नांडिस की फिल्म के 'अप्लॉज' गाने को डियेन वारेन ने अपनी आवाज दी है। इस नॉमिनेशन को लेकर जैकलीन ने अपनी खुशी जाहिर की है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट द्वारा एक पोस्ट शेयर करके इस बात की जानकारी देते हुए कहा, 'फिलहाल शब्दों से परे हूं। डियेन वारेन और सोफिया कारसन आप दोनों को अप्लॉज के लिए बधाई और आपने हमें बहुत गर्व महसूस करवाया है। आप लोगों की इस खूबसूरत फिल्म के साथ जुड़ना मेरे लिए गर्व की बात है। इसमें काफी अच्छे कलाकार भी हैं।'

जैकलीन फर्नांडिस ने 'नाटू नाटू' को भी दी बधाई

इसके अलावा एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस ने 'आरआरआर' के गने 'नाटू नाटू' को भी ऑस्कर नॉमिनेशन के लिए बधाई दी है। जैकलीन फर्नांडिस ने लिखा, "मैं 'आरआरआर' फिल्म के नाटू नाटू नॉमिनेशन के लिए भी बधाई देती हूं। मेरी शुभकामनाएं आप सभी के साथ हैं। बधाई।"

ऑस्कर में भिड़ेंगे 'नाटू नाटू' और 'अप्लॉज'

अब एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' का गाना 'नाटू नाटू' जैकलीन के गाने 'अप्लॉज' ऑस्कर अवॉर्ड्स में भिड़ता नजर आएगा। बता दें कि जूनिया एनटीआर और राम चरण स्टारर इस फिल्म के 'नाटू नाटू' गाने को गोल्डन ग्लोबल अवॉर्ड के साथ-साथ बेस्ट क्रिटिक च्वाइस अवॉर्ड भी मिल चुका है। ऐसे में अब देखना होगा कि कौन-से गाना यह ऑस्कर अवॉर्ड जीत पाएगा।

'पठान' ने दूसरे दिन की रिकॉर्ड तोड़ कमाई

एजेंसी/ मुंबई

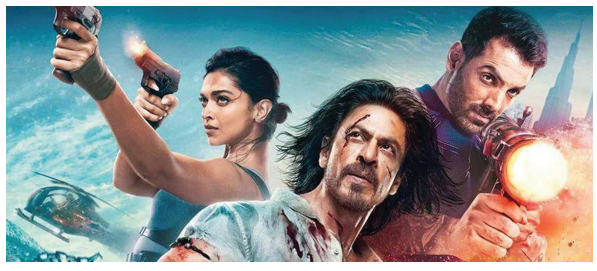

शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम की फिल्म 'पठान' का बॉक्स ऑफिस पर दूसरे दिन भी धमाल जारी रहा। 'पठान' ने भारत में ओपनिंग डे पर 55 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। वहीं, ओवरसीज कलेक्शन की बात करें, तो शाहरुख की फिल्म ने 106 करोड़ रुपए कमाए हैं। अब दूसरे दिन यानी रिपब्लिक डे वाले दिन 'पठान' ने भारत में, लगभग 70 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। इस हिसाब से देखा जाए, तो 'पठान' ने दो दिन में 125 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। वहीं, फिल्म के तमिल और तेलुगु वर्जन ने दूसरे दिन 4।50 करोड़ रुपए से 5 करोड़ रुपए तक बिजनेस किया।

बॉक्स ऑफिस इंडिया के मुताबिक, 'पठान' के हिंदी वर्जन ने दूसरे दिन 70 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है। दूसरे दिन इतनी ज्यादा कमाई करने वाली 'पठान' पहली फिल्म बन गई है। इसने एक इतिहास बना दिया है। इतना ही नहीं, केरल से भी फिल्म को अच्छा रिस्पांस मिला है। फिल्म ने वहां से 1.22 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी फिल्म को अच्छा रिस्पांस मिला है।

'किसी का भाई किसी की जान'

एक्शन से भरपूर है सलमान की फिल्म का टीजर

एजेंसी/ मुंबई

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्मों को लेकर काफी चर्चा में बने हुए है। अभी कुछ दिनों पहले सलमान खान अपनी फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से जुड़ा एक पोस्टर शेयर किया था। इस पोस्टर में फिल्म के टीजर की रिलीज डेट के बारे में बताया गया था। पोस्टर पर टीजर डेट के साथ-साथ सलमान खान की एक तस्वीर भी लगी थी। जानकारी के लिए बता दें कि सलमान खान की इस फिल्म का टीजर आज यानी 25 जनवरी को बड़े पर्दे पर रिलीज हो गया।

पठान के साथ रिलीज हुआ फिल्म का टीजर

सलमान खान और पूजा हेगड़े की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' का टीजर सामने आ गया है। इस फिल्म के टीजर को शाहरुख खान की फिल्म पठान के साथ रिलीज किया है। बड़े पर्दे पर सलमान खान के टीजर को देखने के बाद फैंस काफी खुश हो गए। सलमान खान फिल्म के इस टीजर में एक्शन अवतार में नजर आ रहे है। इस फिल्म में साउथ की झलक भी देखने को मिल रही है। फिल्म का ये टीजर एक्शन सीन्स से भरा हुआ है। फिल्म के टीजर में दिखाया गया सलमान खान का लुक एकदम अलग ही नजर आ रहा है।

कब रिलीज होगी फिल्म

सलमान खान और पलक तिवारी की फिल्म' किसी का भाई किसी की जान' 21 अप्रैल, 2023 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में कई नए स्टार्स देखने को मिलने वाले है। इस फिल्म में अब्दु रोजिक और शहनाज गिल भी अहम रोल में नजर आने वाली है।

दक्षिण अफ्रीका से चीते को भारत में फिर से लाने के लिए अंतर-सरकारी समझौता संपन्न हुआ

एजेंसी/नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका गणराज्य और भारत गणराज्य ने एशियाई देश में चीते को फिर से लाने में सहयोग करने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते के अनुसार, फरवरी 2023 के दौरान 12 चीतों का एक प्रारंभिक जत्था दक्षिण अफ्रीका से भारत लाया जाना है। ये चीते 2022 के दौरान नामीबिया से भारत लाए गए आठ चीतों के साथ शामिल हो जायेंगे।

चीतों की आबादी को बढ़ाना भारत की प्राथमिकता है और इसके संरक्षण के महत्वपूर्ण एवं दूरगामी परिणाम होंगे, जिसका लक्ष्य कई पारिस्थितिक उद्देश्यों को हासिल करना होगा, जिसमें भारत में उनकी ऐतिहासिक सीमा के भीतर चीते की भूमिका को फिर से स्थापित करना और स्थानीय समुदायों की आजीविका संबंधी विकल्पों को बेहतर करना तथा उनकी अर्थव्यवस्थाओं को आगे बढ़ाना शामिल है। फरवरी में 12 चीतों के आयात के बाद, अगले आठ से 10 वर्षों के लिए सालाना 12 चीतों को स्थानांतरित करने की योजना है।

पिछली शताब्दी में अधिक शिकार और निवास स्थान के नुकसान के कारण इस प्रतिष्ठित प्रजाति के स्थानीय स्तर पर विलुप्त हो जाने के बाद चीता को एक पूर्व दायरे वाले देश में फिर से लाने की पहल भारत गणराज्य की सरकार से प्राप्त अनुरोध के बाद की जा रही है। इस बहु-विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय जैव विविधता संस्थान (एसएएनबीआई), दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय उद्यान (एसएएनपार्क), चीता रेंज विस्तार परियोजना, और दक्षिण अफ्रीका में लुप्तप्राय वन्यजीव ट्रस्ट (ईडब्ल्यूटी) के सहयोग से राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) और भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के साथ मिलकर वानिकी, मत्स्य पालन और पर्यावरण विभाग (डीएफएफई) द्वारा समन्वित किया जा रहा है।

भारत में चीता को फिर से लाने से संबंधित यह समझौता ज्ञापन (एमओयू) भारत में चीता की व्यवहार्य और सुरक्षित आबादी स्थापित करने हेतु दोनों पक्षों के बीच सहयोग की सुविधा प्रदान करता है; संरक्षण को बढ़ावा देता है और यह सुनिश्चित करता है कि चीता के संरक्षण को बढ़ावा देने संबंधी विशेषज्ञता को साझा व आदान-प्रदान हो और उसके लिए आवश्यक क्षमता का निर्माण किया जाए। इसमें मानव-वन्यजीव संघर्ष समाधान, वन्यजीवों का कब्जा एवं स्थानांतरण और दोनों देशों में संरक्षण के कार्यों में सामुदायिक भागीदारी शामिल है। समझौता ज्ञापन के अनुसार, दोनों देश बड़े मांसाहारी जीवों के संरक्षण में प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण, प्रबंधन, नीति और विज्ञान के क्षेत्र में पेशेवरों के प्रशिक्षण के माध्यम से सहयोग और उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान करेंगे, और दोनों देशों के बीच स्थानांतरित चीतों के लिए एक द्विपक्षीय संरक्षकता की व्यवस्था बनायेंगे।

इस समझौता ज्ञापन की शर्तों की प्रासंगिकता सुनिश्चित करने हेतु इसकी हर पांच साल में समीक्षा की जाएगी।

मध्य प्रदेश मौसम का पूर्वानुमान- 21 जिलों में मौसम खराब रहेगा

भोपाल/ जन प्रकाशन

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश के 21 जिलों में मौसम खराब रहेगा। 3 जिलों में कोल्ड डे का पूर्वानुमान जारी किया गया है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय को सेटेलाइट से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह स्थिति कम से कम 30 जनवरी 2023 तक बनी रहेगी।

मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार ग्वालियर शिवपुरी गुना अशोकनगर दतिया भिंड मुरैना श्योपुर भोपाल विदिशा राजगढ़ सीहोर रायसेन सागर दमोह छतरपुर टीकमगढ़ निवाड़ी बालाघाट जबलपुर और रीवा जिलों में घना कोहरा छाया रहेगा। इसके कारण जनजीवन प्रभावित होगा। किसानों को फसलों को कोहरे से बचाने के लिए उपाय करना चाहिए और यात्रियों को यथासंभव अपनी यात्राएं स्थगित कर देना चाहिए।

मध्य प्रदेश के 3 जिलों में कोल्ड डे का येलो अलर्ट

उपरोक्त के अलावा छतरपुर ग्वालियर और दतिया जिला में कोल्ड डे की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने उपरोक्त सभी जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, अर्थात सावधान रहें और यदि मौसम खराब होता है तो सबसे पहले अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा करें।

गुना, दतिया में सीवियर और ग्वालियर में कोल्ड डे

मौसम केंद्र भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटों में भोपाल, सागर, रीवा, ग्वालियर और उज्जैन संभाग के जिलों में कुछ स्थानों पर वर्षा दर्ज की गई। भोपाल उज्जैन जबलपुर सागर और छतरपुर जिलों में कोहरा छाया रहा। गुना एवं दतिया में सीवियर कोल्ड डे और ग्वालियर में कोल्ड डे रहा। सबसे ज्यादा बारिश अरेरा हिल्स भोपाल और विदिशा में हुई। इसके अलावा राहतगढ़ नवी बाग और कोलार में बारिश हुई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक मनोज कुमार चौबे के लिए डीबी कॉर्प लि., 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर-एफ, इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर (म.प्र.) से मुद्रित तथा 102-ए, अरण्य स्कीम नं. 78, एस-5, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **सम्पादक** : मनोज कुमार चौबे (मो. 9200031247) ● RNI No. MPHIN/2013/50913 ● डाक पंजीयन क्रं. : MP/IDC/1543/2020-2022 (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र इन्दौर रहेगा)